

सड़कों से 'कचरा डिपो' हटाने के लिए हैरिटेज निगम ने फील्ड में उतारे अफसर

आयुक्त अधिकारी सुराणा ने अफसरों को सुबह 7 से 9 बजे तक सफाई व्यवस्था सुधारने में लगाया

-कार्यालय संचादाता-

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम ने सड़कों से ओपन कचरा डिपो हटाने के प्लान पर काम शुरू कर दिया है। हैरिटेज निगम आयुक्त अधिकारियों की हाजरी, कचरा डिपो उठने की स्थिति, हाजरीगाह, हृपर्स पर, जिंगल, शौचालयों व टायलेस की सफाई की निरीक्षण का मानिसर्वांग करवाने के बाद अब अफसरों की पूरी फौल कार्रवाई तयारी है।

सुराणा ने मुख्यालय और जॉन के सभी वरिष्ठ व कानिष्ठ अधिकारियों को पहले ओपन डिपो की ओर दस्तांग गगल शीट में रिपोर्ट भरने और मंगलवार से सभी अधिकारियों को 2 घंटे के लिए फैलाए जाना की है।

सुराणा ने सफाई को लेकर बैठक मुद्दाई, जिसमें साफ कहा कि जयपुर शहर की स्वच्छता रैंकिंग सुधारना ही टाक नहीं है, बल्कि ओपन कचरा डिपो को पूरी तरह खम्ब कर शहर को सफाई व्यवस्था मुस्कैद रखने की काम की है।

सुराणा ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रतिदिन ओपन कचरा डिपो विजिट करों कचरा उठने के बाद मंगलवार फैलाने वाले लोगों से जुमाना वापस। इसके लिए मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक कचरा डिपो के सामने थड़ी बुकान पर कुर्सी लगाकर बैठे।

सुराणा ने उपायुक्त स्वास्थ्य व उपायुक्त



हैरिटेज निगम आयुक्त अधिकारी सुराणा ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक लेकर जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के एकशन प्लान पर चर्चा की।

उदान व मुख्यालय शाखा को निर्देश दिये कि ओपन डिपो साफ करवाकर वहाँ पर पेंट करें। सुराणा ने कहा कि सुबह 7 बजे रोटी कानिष्ठ विधियों वाले हो जाए, सुबह 7 बजे रखवायें। साइंजेज, बैरिंग्स लगावाये के कचरा कर्मचारियों की हाजरी ले लें व सबका एक युग्म फोटो भी भेजें।

अधिकारी फौल में रहकर अपने आवंटित वार्ड में रहकर लोगों को जागरूक करें, पान के घंटे व जगह-जगह खुले में पेशाकर करें, पान के घंटे व जगह-जगह खुले में पेशाकर करें तो करवाने व 2 कर्मचारियों के बीच एक कचरा

■ मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक कचरा डिपो के सामने कुर्सी लगाकर बैठेंगे गदगी फैलाने वाले लोगों के चालान भी काटेंगे।

■ करवे के ढेर हटाने के बाद वहाँ तारबदी, मटके, बैंच और गमले रखे जाएंगे, ताकि लोग दुबारा गंदगी नहीं फैलाएं।

के लिए पेंट करवाने, टाईल्स लगावाने, 100 किलो से ज्यादा कचरा पैदा करने वाले होल्डर रेस्टरेंट व हॉस्टिल को जीरो वेस्ट प्रोजेक्ट को लागू करवाने के लिए कहा। गोला-सुखा कचरा अलग करने के लिए पांप में संगोष्ठी आयोजित करवाएं, बच्चों व पेटेस के स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। लेहे वैनी व बारावी के बच्चों के साथ मीटिंग करें, बान बलों के साथ जोड़कर प्रतिदिन श्रमदान करवाने पर भी फोकस करें कि निर्देश दिये सुराणा ने कहा कि वार्ड 91 से 95 तक (पाँच वार्डों में) सी-फॉर एन.जी.ओ. की महिलाएं गोला-सुखा कचरा अलग-अलग के लिए जागरूक कर रही हैं।

उदान व मुख्यालय शाखा को निर्देश दिये कि निर्देश वाले की तैनाती सही तरीके से करवाने के लिए निर्देश दिये।

उदान हूपर्स पर स्वच्छता व चुनाव के जिंगल चलावान, तिरायाल से ढकवान व हूपर्स में हूपर्स ड्रेस में सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यालय-सार्वजनिक शौचालयों की निरीक्षण

करें, पान के घंटे व जगह-जगह खुले में पेशाकर करें तो करवाने वाले पीले घंटे को हटाने

अलग-अलग के लिए जागरूक कर रही हैं।

'राम-कृष्ण जन्मोत्सव' की आनंद वर्षा में भीगे श्रद्धालु

52 लाख रु.के चैक अनादरण का मामला खारिज



जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में महाराज के आवास से अपने सभी शुक्रदावास के साथशरण के अधिकारी ने अपने आवास में महाराज की बैठक रखी है।

जयपुर। श्री निमार्क संत बाबा शुक्रदावास महाराज के आठ विवासीय दर्शक द्वारा दर्शक से आपराह्न पहुंच हो रही है। सप्तम परिसर भवित्वसंस में द्वारा हुआ है। आश्रम में

#EVENT @ JKK

CELEBRATING CHILDREN'S LITERATURE

Bookaroo Children's Literature Festival, held at JKK, delighted young minds and parents alike, with its array of creative activities and engaging storytelling sessions. From immersive storytelling to hands-on craft workshops, the festival celebrated the 'magic of literature' in nurturing young imaginations.



Tusharika Singh
he Pink City's multi-arts center, Jawahar Kala Kendra (JKK) recently played host to an exuberant gathering of young minds and literary enthusiasts at the two-day Bookaroo Children's Literature Festival. The event saw an overwhelming turnout of children and parents alike, all eager to immerse themselves in the world of stories, creativity, and imagination. In fact, a couple even travelled all the way from Delhi so that their children could participate in the event. Despite the inclement weather, laughter echoed through the Kendra's dome area as children eagerly made their way to the different festival venues, their faces beaming with anticipation.

The first day of the festival kicked off with a flurry of activities, with children eagerly participating in 26 different engagements, tailored to their interests and age groups. From storytelling sessions to craft corners, doodle walls to theatrical performances, there was something for every young mind to explore and indulge in. Over the course of two days, there were 50 sessions with 27 speakers.

The festival grounds were meticulously divided and colour-coded into various zones according to different age groups, each offering a unique experience. The *Kahani Kund* created in the amphitheater, adorned with vibrant hues and puppets, transported children into a realm of storytelling magic.



Simon Rowe loves a good story

PART:1

Simon Rowe loves a good story. In fact, he is so fond of storytelling that he signed up for an English teacher's job in Japan and taught his students to talk about the Japanese culture in English. His students learnt English and he became a storyteller.



Shailaza Singh
Published author, poet and a YouTuber

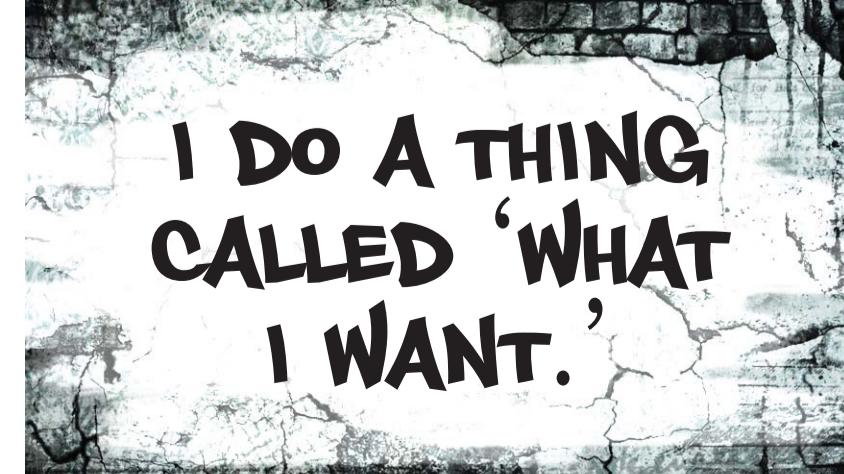
Here, they were regaled with tales spun by master storytellers who breathed life into the characters with their enchanting narratives. Meanwhile, the Krishnayan auditorium witnessed the transformation of young participants into budding thespians, under the guidance of drama director, Abhishek Mudgal. Here, they learned the art of voice modulation and theatrical expression, delving into the world of drama and performance.

Throughout the festival, children were encouraged to unleash their creativity in various workshops and interactive sessions. From crafting intricate pieces in the Craft Corner to expressing themselves on the Doodle Wall, every corner of the festival resonated with the hum of creativity.

Swati Roy, the Festival Director, emphasized on the profound impact of literature on children's lives, highlighting the importance of nurturing a love for 'reading' from an early age. "Books are children's best friends," she remarked, underscoring the role of literature in shaping young minds and fostering empathy and understanding.

In today's fast-paced world, where parents express concern about their children drifting away from academics, it is imperative that we reevaluate our approach. Writers possess a unique ability to connect with children, as they intricately weave emotions and experiences into words, offering a perspective that resonates deeply with young minds. The *Bookaroo* festival serves as a platform to introduce children to these insightful authors, providing them with the opportunity to explore literature that speaks directly to their hearts and imaginations.

THE WALL



Are you anything like your heroine 'Mami Suzuki'?

(Laughs). Yes, to some extent, I am. I am middle-aged, I live in Japan but that's where the similarity ends. Mami is a complete character, a filament of the imagination but drawn from all the women whom I know in Japan, who are middle-aged, who are working hard (in some cases, two jobs), might be single mothers. My wife too is a middle-aged Japanese woman. She is very busy too. *Mami* means 'true beauty.'

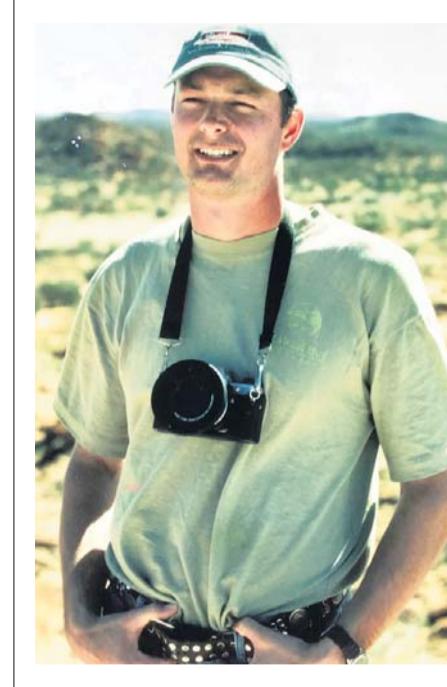
So, was this character inspired by your wife?

(Smiles). That is what I will tell her! But it is much more than that. As a foreigner, I guess I can see and observe more details about the 'Japanese' people and a lot 'differently' as compared to the natives. Though, I have been here for the last 27 years, Japan still looks new and fresh to me. In a way, it is death by stimulation. There is just too much for a writer to take in!

BABY BLUES



Rick Kirkman & Jerry Scott



#TRAVEL Offbeat Tracks

From Himalayan slopes to coastal vistas, embark on a summer escape through India's diverse tapestry, on these iconic train routes.

Train travel paints vibrant pictures in our minds, often featuring the exciting journeys that we share with loved ones. When the rhythm of the rails sets the pace of travel, journeys are filled with simple pleasures, books, steaming *chai*, laughter echoing through card games, and landscapes painting themselves onto our memories. India's diverse tapestry unfolds beautifully, from the window of a train, offering unique experiences and breath-taking sights at every turn. If you yearn to capture the magic of rail travel, or simply embrace a more relaxing pace, we have curated a list of incredible train journeys that you can take during the summer.

Kalka to Shimla

5.5 hours, Himalayan Queen

E scape the Delhi furnace aboard the iconic 'Himalayan Queen'. This toy train winds through pine-clad slopes and verdant valleys, meandering in Shimla, a charming town where Victorian-era architecture meets craggy mountain air. Picture horse-drawn carriage rides, colonial-era buildings, whispering stories of the past, and breath-taking views, that will leave you breathless.



Mettupalayam to Ooty

4.5 hours

Nilgiri Mountain Railway

E mbarc on a journey through time and mist aboard the 'Toy Train of the South'. Snaking through emerald hills and verdant valleys, arriving in Ooty, the 'Queen of the Hills'. Rolling hills, colonial charm, refreshing lakes, and, of course, the promise of delicious strawberries await in this summer haven.



Hassan to Mangalore

5.5 hours
Various train options are available

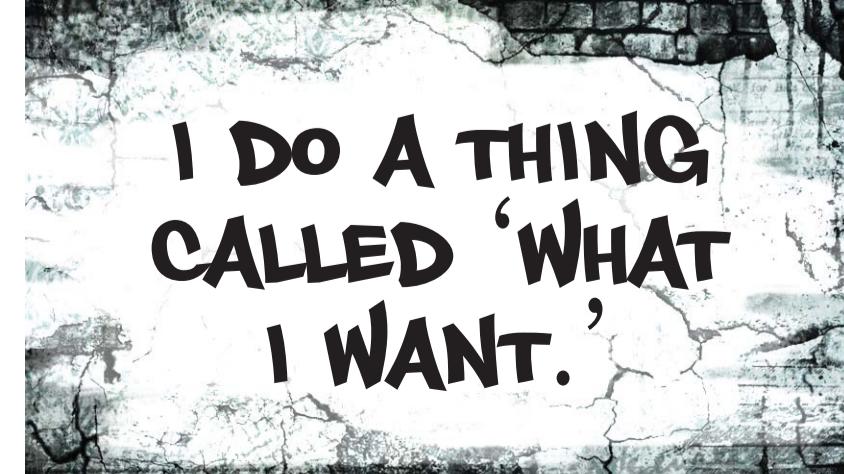
E mbrace a sensory overload on this Western Ghats adventure. Lush rainforests, cascading waterfalls, and verdant coffee plantations greet you as the train chugs through the landscape. In Mangalore, pristine beaches, delicious seafood, and the unique Tulu culture await, offering a perfect summer escape from the ordinary.



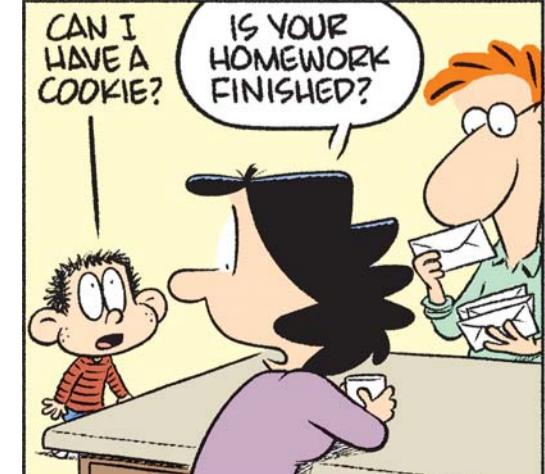
World Cloud Security Day

World Cloud Security Day is like a lighthouse, helping us break through a dense fog of well, clouds. It's a time when the invisible cloud-based threats, we too often ignore, become visible. The day also reminds about the sometimes forgotten idea of 'cloud security' in our cloud-based adventures. This day seeks to bridge the gap between data clouds and online safety. By doing so, we all play an active role in enhancing the safety of our digital footprints. Whether you use cloud-based apps for personal use or to run a business, vigilance is needed.

THE WALL



BABY BLUES



Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

